COURSE CODE:HND301	COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE **हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाए**	
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. **हिंदी गद्य साहित्य के विकासक्रम की जानकारी।**
2. **गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।**
3. **विधा विशेष के तात्विक स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना।**
4. **रचना के आस्वादन एवं समीक्षा की क्षमता विकसित करना।**

UNIT-1/Hours	सरदार पूर्ण सिंह – सच्ची वीरता (निबंध) आचार्य रामचंद्र शुक्ल – कविता क्या है, काव्य में लोक मंगल की साधनावस्था (निबंध) पाठ्यग्रन्थ – हिन्दी निबंध नवनीत – डॉ. राधेश्याम दुबे
UNIT-2/Hours	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी – अशोक के फूल, भारतीय संस्कृति की देन, साहित्यकारों का दायित्व (निबंध) डॉ. कुबेरनाथ राय–सूर्य और अतिसूर्य (निबंध)
UNIT-3/Hours	महादेवी वर्मा – सबिया (रेखाचित्र) अमृत लाल नागर – डॉ. रामबिलास शर्मा – एक संस्मरण (संस्मरण) अमृत राय – कलम का सिपाही (जीवनी)
UNIT-4/Hours	अज्ञेय – मौत की घाटी (यात्र संस्मरण) मोहन राकेश – स्मृति की एक रील (डायरी) हरिबंश राय बच्चन – कायस्थ पाठशाला का एक दिन (आत्मकथा)

UNIT-5/Hours	बटरोही – लक्ष्मण प्रसाद विष्ट – इलाहाबाद (रूपक) आर्य प्रसाद त्रिपाठी – कुशगुन लंक अवध अति सोकू (शब्दचित) पाठ्यग्रन्थ – हिन्दी गद्य विधायन – डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी
अनुशंसित ग्रंथ	1. साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध – महादेवी वर्मा 2. हिंदी निबंध और निबंधकार – डॉ ठाकुर प्रसाद सिंह 3. हिंदी के प्रमुख निबंधकार : रचना और शिल्प – डॉ गणेश वर्मा 4. हिंदी रेखाचित्र – हरवंश लाल शर्मा 5. हिन्दी निबंध नवनीत – डॉ. राधेश्याम दुबे 6. हिंदी रेखाचित्र : सिद्धांत और विकास – मक्खन लाल शर्मा 7. रेखाचित्र : स्वरूप और समीक्षा – डॉ.विश्वनाथ प्रताप सिंह 8. हिंदी यात्रा साहित्य – संपादन डॉ.तुकाराम पाटील तथा डॉ नीलाबोवर्णकर 9. हिन्दी गद्य विधायन – डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी 10. हिन्दी का गद्य साहित्य – डॉ. रामचन्द्र तिवारी

COURSE CODE:HND302	COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE **छायावादोत्तर हिंदी काव्य**	
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90 PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY: PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. छात्रों को छायावादोत्तर हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों का परिचय कराना।
2. छायावादोत्तर हिंदी काव्य के विकासक्रम से परिचित कराना।
3. छायावादोत्तर हिंदी काव्य के तात्कालिक स्वरूप एवं विकासक्रम के परिप्रेक्ष्य में रचनाओं के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि देना।

UNIT-1 18 Hours	चाँद का मुँह टेढ़ा है : मुक्तिबोध (अंधेरे में)
UNIT-2 18 Hours	आँगन के पार द्वार : अज्ञेय (असाध्यवीणा)
UNIT-3 18 Hours	प्रतिनिधि कविताएँ : नागार्जुन(मेरी भी आभा है इसमें, यह तुम थी, शासन की बंदूक, तीनों बंदर बापू के)
UNIT-4 18 Hours	त्रिकाल संध्या, सतपुड़ा के घने जंगल : भवानी प्रसाद मिश्र

UNIT-5 **18 Hours**	संशय की एक रात : नरेश मेहता(प्रथम सर्ग)
अनुशंसित ग्रंथ	1समकालीन हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी 2. समकालीन कविता का यथार्थ – परमानंद श्रीवास्तव 3. समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ – रामकली सराफ 4 हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – द्वारिका प्रसाद सक्सेना 5 नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर – डॉ.संतोष कुमार तिवारी 6 नई कविता के नये कवि – विश्वंभर मानव 7. समकालीन कविता – डॉ.सूरज प्रसाद मिश्र 8 कविता के नये प्रतिमान – डॉ.नामवर सिंह 9. समकालीन कविता का व्याकरण – परमानंद श्रीवास्तव 10. साठोत्तरी हिंदी कविता की परिवर्तित दिशाएँ – विजय कुमार 11. आधुनिक हिंदी काव्यधारा – डॉ.सूरज प्रसाद मिश्र 12 कविता का अर्थ – परमानंद श्रीवास्तव 13. अथातो काव्य जिज्ञासा – डॉ. मंजुल भगत 14. नई कविता की चेतना – डॉ. जगदीश कुमार 15. नागार्जुन एक लंबी जिरह – विष्णुचंद्र शर्मा 16. नागार्जुन जीवन और साहित्य – डॉ.प्रकाश चंद्र भट्ट 17 नागार्जुन का काव्य एक पड़ताल – भगवान तिवारी 18 अज्ञेय और नई कविता – चंद्रकला त्रिपाठी 19. प्रयोगवाद के पुरस्कर्ता कवि और अज्ञेय – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

COURSE CODE:HND303		COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE **पाश्चात्य काव्यशास्त्र**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र का परिचय देना।

2. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय देना।
3. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों को ज्ञान कराना।
4. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों में साम्य, वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान कराना।
5. नई समीक्षा के सिद्धांतों का ज्ञान कराना।
6. आलोचना की विविध प्रणालियों तथा नई अवधारणाओं का परिचय देना।
7. साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से छात्रों के समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

UNIT-1 18 Hours	पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय।
UNIT-2 18 Hours	प्रमुख पाश्चात्य साहित्य –आचार्य अ. प्लेटो–काव्यसिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत। ब. अरस्तू के काव्य सिद्धांत–अनुकरण सिद्धांत व्याख्या, प्लेटो और अरस्तू की अनुकरण विषयक धारणा, दोनों के अनुकरण विषयक विचारों की तुलना। विरेचन सिद्धांत : स्वरूप विवेचन तथा व्याख्याएँ, विवेचन का महत्व, त्रासदी विवेचन। लोंजाइनस – लोंजाइनस द्वारा उदात्त की व्याख्या, उदात्त के अंतरंग, बहिरंग तल, काव्य में उदात्त का महत्व, लोंजाइनस का योगदान। आई.ए.रिचर्डस् – रिचर्डस् का मनौवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत, काव्य मूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या, संप्रेषण सिद्धांत की परिभाषा और स्वरूप,संप्रेषण सिद्धांत का महत्व, रिचर्डस् का योगदान।
UNIT-3 18 Hours	इलियट – इलियट का निर्वैयक्तिकता सिद्धांत और वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत, इलियट की निर्वैयक्तिकता संबंधी धारणा, वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत का स्वरूप, इलियट का योगदान। क्रोचे – क्रोचे का अभिव्यंजनावाद, स्वरूप विवेचन, कला के साथ का संबंध, अभिव्यंजनावाद और वक्रोक्ति सिद्धांत। वड्सवर्थ – वड्सवर्थ का काव्य भाषा का सिद्धांत। जॉन ड्राइडन : युग परिवेश और आलोचना सिद्धांत। मैथ्यू आर्नाल्ड – मैथ्यू आर्नाल्ड : कला और नैतिकता।

UNIT-4 18 Hours	साहित्य सिद्धांत और विचारधाराएँ अभिजात्यवाद और स्वच्छंदतावाद, मनोविश्लेषणवादी आलोचना, मार्क्सवा आलोचना, साहित्य चिंतन के विविधवाद, साहित्य अध्ययन की प्रमुख पद्धतियाँ, अस्तित्ववाद, आधुनिकताव और उत्तर आधुनिकतावाद।
UNIT-5 18 Hours	विभिन्न साहित्य विधाओं की समीक्षा – उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, आलोचना : परिभाष स्वरूप, तत्व और प्रकार।
अनुशंसित ग्रंथ	1. अरस्तू का काव्यशास्त्र – डॉ. नगेंद्र 2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा 3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. कृष्णदेव शर्मा 4. पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत विवेचन – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा 5. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. बच्चन सिंह 6. आधुनिक समीक्षा – डॉ.भगवतस्वरूप मिश्र 7. पाश्चात्य साहित्यालोचन एवं हिंदी पर उसका प्रभाव – डॉ.रवींद्र सहाय वर्मा 8. तुलनात्मक साहित्यशास्त्र – डॉ.विष्णुदत्त राकेश 9. पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन 10. नई समीक्षा के प्रतिमान – निर्मला जैन 11. पाश्चात्य समीक्षाशास्त्र : सिद्धांत और परिदृश्य – डॉ.नगेंद्र 12. कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह 13. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह 14. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पाण्डेय 15. हिंदी आलोचना के नए वैचारिक सरोकार – डॉ.कृष्णदत्त पालीवाल 16. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ – डॉ. सत्यदेव मिश्र 17. उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श – सुधीश पचौरी 18. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ.सुरेश कुमार जैन 19. उत्तर आधुनिकता : कुछ विचार – सं. देवीशंकर 'नवीन' 20. समीक्षालोक – डॉ. भगीरथ दीक्षित 21. पाश्चात्य समीक्षा दर्शन – जगदीश चन्द्र जैन 22. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. भगीरथ मिश्र

COURSE CODE:HNDC 02 **ECC/CB**	**COURSE TYPE:**
COURSE TITLE **हिंदी आलोचना**	
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90 PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY: PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. छात्रों को समीक्षा से परिचित कराना।
2. छात्रों को समीक्षा साहित्य की जानकारी देना।
3. तत्कालीन प्रमुख समीक्षकों तथा उनकी कृतियों से परिचित कराना।
4. पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।

UNIT-1 18 Hours	आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचाय हजारी प्रसाद द्विवेदी,
UNIT-2 18 Hours	आचाय नंद दुलारे वाजपेयी प्रेमचंद (साहित्य चिंतक)
UNIT-3 18 Hours	प्रसाद, निराला (साहित्य चिंतक)

UNIT-4 18 Hours	अज्ञेय, मुक्तिबोध (सांहित्य चिंतक)
UNIT-5 18 Hours	डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. नामवर सिंह
अनुशंसित ग्रंथ	1. हिंदी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी 2. हिंदी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल 3. हिंदी आलोचक : शिखरों का साक्षात्कार – रामचंद्र तिवारी 4. आलोचक के बदलते मानदण्ड और हिंदी साहित्य – शिवकरण सिंह 5. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह 6. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना – रामविलास शर्मा 7. दूसरी परंपरा की खोज – नामवर सिंह 8. साहित्य का नया शास्त्र – गिरिजा राय 9. हिन्दी आलोचना और हिन्दी नवरत्न – डॉ. राधेश्याम दुबे, डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

COURSE CODE:HNDC 02 **ECC/CB**	**COURSE TYPE:**
COURSE TITLE **हिंदी साहित्य और भारतीय संस्कृति**	
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. **छात्रों को हिंदी साहित्य के अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य से परिचित कराना।**
2. **हिंदीतर भाषाओं के साहित्य का स्थूल परिचय देना।**
3. **भारतीय साहित्य में व्यक्त भारतीयता की पहचान कराना।**
4. **हिंदी में अनूदित साहित्य परिचय देना।**
5. **साहित्यिक अनुवाद के आस्वादन एवं मूल्यांकन को विकसित कराना।**

UNIT-1 18 Hours	वेदों और उपनिषदों का सामान्य स्वरूप और उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव, रामायण, महाभारत, पुराण का सामान्य परिचय और भारतीय साहित्य पर उसका प्रभाव ।
UNIT-2 18 Hours	बौद्ध और जैन धर्म का भारतीय साहित्य पर प्रभाव, वेदांत–शंकर, रामानुज, वल्लभ आदि मध्यकालीन दार्शनिकों का अवदान, शैवमत तथा मध्यकालीन साहित्य पर उसका प्रभाव
UNIT-3 18 Hours	भागवत सम्प्रदाय और वैष्णव मत और मध्यकालीन साहित्य पर उसका प्रभाव, इस्लाम और सूफी मत – भारतीय साहित्य और संस्कृति पर प्रभाव, भक्ति आंदोलन और भारतीय साहित्य।

UNIT-4 18 Hours	स्वाधीनता आंदोलन और भारतीय नवजागरण तथा भारतीय साहित्य पर उसका प्रभाव; भारतीय साहि राष्ट्रीयता, गांधीवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद और अस्तित्ववाद का प्रभाव।
UNIT-5 18 Hours	आधुनिक युग में भारतीय साहित्य – साहित्य रूपों में परिवर्तन : कविता, नाटक, कथासाहित्य। सुब्रहमण भार गिरीश कर्नाड, तथा भैरपा का महत्व।
अनुशंसित ग्रंथ	1. भारतीय साहित्य – सं. डॉ.नगेंद्र 2. भारतीय साहित्य का इतिहास – डॉ. बलदेव उपाध्याय 3. भारतीय दर्शन – डॉ. बलदेव उपाध्याय 4. भागवत सम्प्रदाय – डॉ. बलदेव उपाध्याय 5. सूफीमत – साधना और साहित्य – डॉ. रामपूजन तिवारी 6. संस्कृति के चार अध्याय – दिनकर 7. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा 8. भारतीय चिंतन परंपरा – के. दामोदरन 9. आधुनिक भारतीय चिंतन – डॉ. विश्वनाथ नरवणे 10. आज का भारतीय साहित्य – सं. साहित्य अकादमी 11. बंगला साहित्य का इतिहास – डॉ. बनर्जी 12. हिंदी साहित्य के विकास में दक्षिण का योगदान – सं. रेड्डी राव/अप्पल राजु 13. भारतीय साहित्यकारों से साक्षात्कार – डॉ. रणवीर रांग्रा 14. भारतीय साहित्य विमर्श – सं. रामजी तिवारी 15. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – सं. डॉ. नगेंद्र 16. भारतीयता की पहचान – डॉ. विद्यानिवास मिश्र 17. भारतीय साहित्य : अवधारणा, स्वरूप और समस्याएँ – के सच्चिदानंद

COURSE CODE:HNDC04		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE दृश्य श्रव्य माध्यम लेखन		
CREDIT: **THEORY: 6**	**PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30**	**PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

भाषा के प्रयोजनपरक आयाम का सम्बन्ध हमारे सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन व्यवहार से होता है और व्यक्तिपरक होकर भी जो समाज –सापेक्ष सेवा माध्यम (सर्विस–टूल्स) के रूप में प्रयुक्त होता है। जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्यों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार क्षेत्रों (डोमेन) में उपयोग की जाने वाली हिन्दी प्रयोजनमूलक हिन्दी **है।**

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को कार्यालयों में कर्णिक के रूप में और भाषा अधिकारी के रूप में रोजगार पाने की प्रबल संभावना रहती है इसके साथ–साथ अन्यान्य क्षेत्रों में भी नौकरी मिलने की संभावना रहती है।

UNIT-1 **18 Hours**	समकालीन जनसंचार माध्यम – 1. मुद्रित माध्यम, 2. टेलीविजन 3. रेडियो 4. सिनेमा 5. इन्टरनेट 6. पारंपरिक संचार।
UNIT-2 **18 Hours**	माध्यम लेखन (मीडिया राइटिंग) के प्रमुख प्रकार – 1. समाचार लेखन, 2. फीचर (अखबारी फीचर, रेडियो फीचर, टी.वी. फीचर 3. रिपोर्ताज 4. साक्षात्कार 5. परिचर्चा 6. संस्मरण 7. रेखांकन 8. पटकथा 9. संवाद 10. रेडियो वार्ता 11. ध्वनि नाटक 12. समीक्षा 13 कार्टून 14. ग्राफिक्स 15. प्रोफाइल आर्ट और फीचर सिण्डीकेट।
UNIT-3 **18 Hours**	व्यावसायिक लेखन मीडिया लेखन की प्रमुख संस्थाएँ। माध्यम लेखन की भाषिक संरचना। श्रव्य माध्यम (रेडियो) की भाषिक प्रकृति, मानक वर्तनी, लिपि, उच्चारण एवं व्याकरण, ध्वनि संयोजन।

UNIT-4 18 Hours	हिन्दी भाषा के विकास में रेडियो का अवदान विजुअल रेडियो की संकल्पना। श्रव्य, दृश्य पाठ्य माध्यम के रूप में टेलीविजन का विकास, दृश्य भाषा की विशेषताएँ। कैमरे की भाषा और देहभाषा। इण्टरनेट में सामग्री का अनुसृजन।
UNIT-5 18 Hours	प्रमुख हिन्दी धारावाहिकों, वृत्तचित्रों एवं फिल्मों के आधार पर मीडिया की भाषिक संवेदना का विश्लेषण। मीडिया लेखन की समस्याएँ और व्यावहारिक समाधान।
अनुशंसित ग्रंथ	**1.** मीडिया लेखन – सुमित मोहन **2.** फीचर लेखन – डॉ.विजय कुलश्रेष्ठ **3.** फीचर लेखन – स्वरूप और शिल्प – डॉ. मनोहर प्रभाकर **4.** समाचार फीचर लेखन एवं सम्पादन कला – डॉ. हरिमोहन **5.** हिन्दी फिल्मों में साहित्यिक उपादान – डॉ.विश्वनाथ मिश्र **6.** हिन्दी इण्टरव्यू : उद्‌भव और विकास – डॉ.विष्णु पंकज **7.** हिन्दी समाचर बुलेटिन (भाषा के कुछ आयाम) – भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली। **8.** हिन्दी विज्ञान पत्रकारिता – मनोज कुमार पटेरिया **9.** साक्षात्कार–मनोज कुमार **10.** भेंटवार्ता और प्रेस कान्फ्रेंस – डॉ. नन्द किशोर त्रिखा **11.** व्यावसायिक हिन्दी – डॉ.एस.एम. शुक्ल **12.** इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित पाठ्य सामग्री। **13.** फोटो पत्रकारिता – डॉ.गुलाब कोठारी **14.** सामाजिक सर्वेक्षण – अनुसंधान की अन्वेषण पद्धतियाँ–डॉ.सी.एल.शर्मा **15.** मीडिया शोध – प्रो. मनोज दयाल **16.** मीडिया लेखन – सुमित मोहन **17.** संचार और विकास – श्यामाचरण दुबे, प्रकाशन विभाग **18.** रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता – डॉ. हरिमोहन **19.** टेलीविजन की दुनिया – प्रभु झिंगरन **20.** संचार क्रान्ति और हिन्दी पत्रकारिता – डॉ.अशोक कुमार शर्मा **21.** दूरदर्शन : हिन्दी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग – डॉ.कृष्ण कुमार रत्तू **22.** जनसंचार और पत्रकारिता – डॉ.राकेश शर्मा **23.** संचार माध्यम पत्रिका – भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली। **24.** संस्कृति विकास और संचार क्रांति– पूरनचंद्र जोशी **25.** इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित सामग्री **26.** दूरदर्शन सिनेमा – अभय छजलानी **27.** रेडियो डाक्यूमेन्ट्री – सत्यप्रकाश हिन्दवाण

	28. सिनेमा और साहित्य – हरीश कुमार 29. सिनेमा की संवेदना – विजय अग्रवाल 30. सिनेमाई भाषा और हिन्दी संवादों का विश्लेषण – डॉ.किशोर वासवानी 31. हिन्दी फिल्मों में साहित्यिक उपादान – डॉ.विश्वनाथ मिश्र 32. सदी का सिनेमा – सं. मृत्युंजय

COURSE CODE:HNDC05	**COURSE TYPE: ECC/CB**
COURSE TITLE **हिन्द नाटक एवं रंगमंच**	
CREDIT: **THEORY: 6 PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90 PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30 PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY: PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. **गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।**
2. **नाटक एवं रंगमंच के विकासक्रम की जानकारी देना।**
3. **विधा विशेष के तात्विक स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना।**
4. **रचना के आस्वादन एवं समीक्षण की क्षमता विकसित करना।**

UNIT-1 18 Hours	हिन्दी नाटक का उद्‌भव विकास, नाटक के भेद एवं तत्व प्रमुख एकांकी – औरंगजेब की आखरी रात – रामकुमार वर्मा विष कन्या – गोविन्द बल्लभ पन्त
UNIT-2 18 Hours	अंधेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
UNIT-3 18 Hours	ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

UNIT-4 18 Hours	अंधा युग – धर्मबीर भारती
UNIT-5 18 Hours	आधे–अधूरे – मोहन राकेश
अनुशंसित ग्रंथ	1. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा 2. पहला रंग – देवेंद्र नाथ अंकुर 3. रंगपरंपरा – नेमीचंद्र जैन 4. एकांकी सप्तक – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि 5. जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ शर्मा 6. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान – वशिष्ठनारायण त्रिपाठी 7. हिंदी नाट्यशास्त्र का स्परूप – डॉ.नरबदेश्वर राय 8. रंग हबीन – भारत रत्न भार्गव 9. नाटक और रंग परिकल्पना – डॉ. गिरीश रस्तोगी 10. समकालीन हिंदी नाटक की संघर्ष चेतना – डॉ. गिरीष रस्तोगी 11. रंगमंच और नाटक की भूमिका – लक्ष्मीनारायण लाल 12. हिंदी नाटक – बच्चन सिंह 13. भारतीय नाट्य साहित्य – डॉ नगेंद्र 14. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी रंगमंच : समस्या और उपलब्धि – डॉ ओ पी शर्मा 15. हिन्दी नाट्य साहित्य के चतुःस्तम्भ – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

COURSE CODE:HNDC06		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE **लोक साहित्य**		
CREDIT: **THEORY: 6**	**PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30**	**PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. **छात्रों को लोकसाहित्य के स्वरूप तथा उसके अध्ययन के महत्व से परिचित कराना।**
2. **लोक साहित्य की विभिन्न विधाओं की जानकारी देना।**
3. **लोक साहित्य का महत्व समझाकर उसके विशेष अध्ययन के लिए प्रेरित करना।**
4. **मध्यप्रदेश के लोक साहित्य से परिचित कराना।**

UNIT-1 18Hours	'लोक' शब्द की व्युत्पत्ति, स्वरूप, लोक साहित्य का स्वरूप, परिभाषाएँ तथा विशेषताएँ, लोक साहित्य और साहित्य में साम्य भेद, लोकवार्ता का स्वरूप,
UNIT-2 18Hours	लोक साहित्य का सामाजिक, आर्थिक, नैतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय तथा भाषा शास्त्रीय दृष्टि से महत्व, लोक साहित्य और अन्य ज्ञानशाखाओं का परस्पर संबंध – इतिहास, पुरातत्व, मानव विज्ञान, समाज विज्ञान, मनोविज्ञान, भाषा विज्ञान, भूगोल, अर्थशास्त्र, धर्मशास्त्र, लोक साहित्य संकलन : उद्देश्य, संकलन की पद्धतियाँ, संकलनकर्ता की क्षमताएँ, संकलनकर्ता के लिए उपयुक्त साधन सामग्री, संकलनकर्ता की समस्याएँ व समाधान
UNIT-3 18Hours	**क–लोकगीत** : परिभाषाएँ, विशेषताएँ और प्रेरणा स्त्रोत, लोकगीत और शिष्टगीत में अंतर, लोकगीतों के वर्गीकर पद्धतियाँ, लोकगीतों का परिचय– सोहर, मुंडन, विवाह, गौना, होली, सावनगीत आदि;गड़रिया, चक्की की अ पबाड़ा, लावनी आदि; **ख–लोकगाथा** : परिभाषाएँ एवं स्वरूप, लोकगाथा के उत्पत्ति विषयक सिद्धांत, किसी एक लोकगाथा का स परिचय –ढोला–मारू रा दूहा, नल – दमयंती, लैला – मंजनू, हीर – राँझा, सोहनी –महिवाल, लोरिक – चंदा **ग–लोककथा** : परिभाषा एवं स्वरूप, विशेषताएँ, लोककथा में अभिप्राय का महत्व, लोककथा के उत्पत्ति वि सिद्धांत,लोककथाओं का वर्गीकरण, **घ–लोकनाट्य** :परिभाषा एवं स्वरूप, विशेषताएँ, लोकनाट्य और शास्त्रीय नाटक में अंतर, लोकनाट्यों का परि

	रामलीला, रासलीला, कीर्तन, यक्षगान, जात्रा, भवाई, ख्याल, माच, नौटंकी, कुचीपुड़ी, तमाशा, गोंधल।
UNIT-4 18Hours	**क–प्रकीर्ण लोकसाहित्यः** मुहावरे,कहावतें,पहेलियाँ, मुकरियाँ, सूक्तियाँ, ढकोसले, चुटकुले, मंत्र, टोना आदि का परि **ख–लोक साहित्य का कलापक्षः** भावव्यंजना, रसपरिपाक, भाषा, अलंकार–योजना, छंद–विधान, प्रतीकात्मकता दृष्टियों से विवेचन
UNIT-5 18Hours	छत्तीसगढ़ का लोक साहित्य (छत्तीसगढ़ी, सरगुजिया, हल्बी,गोंडी, कुरुख)
अनुशंसित ग्रंथ	1. लोक का आलोक – सं. पीयूष दहिया 2. लोक – सं. पीयूष दहिया 3. लोक साहित्य विज्ञान – डॉ. सत्येंद्र 4. लोक साहित्य की भूमिका – डॉ. धीरेंद्र वर्मा 5. लोक साहित्य का अध्ययन – त्रिलोचन पाण्डेय 6. हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (सोलहवाँ भाग) – नागरी प्रचारिणी सभा 7. ग्रामगीत – रामनरेश त्रिपाठी 8. भोजपुरी लोकसाहित्य – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय 9. भारतीय लोक साहित्य – डॉ. श्याम परमार 10. लोक साहित्य : सिद्धांत और प्रयोग – डॉ. श्रीराम शर्मा 11. लोक साहित्य के प्रतिमान – डॉ. कुंदनलाल उप्रेंती 12. खड़ी बोली का लोकसाहित्य – डॉ. सत्यगुप्त 13. लोकवार्ता और लोकगीत – डॉ. सत्येंद्र 14. भोजपुरी साहित्य का इतिहास (सं) – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि 15. बघेली साहित्य का इतिहास – डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी

M.A. in HINDI **(THIRD SEMESTER)**	
COURSE CODE: HNDC01	**COURSE TYPE : ECC/CB**

COURSE TITLE: TRIBAL STUDIES	
CREDIT: 06 **THEORY: 06**	**HOURS : 90** **THEORY: 90**
MARKS : 100 **THEORY: 70 CCA : 30**	

OBJECTIVE:

- Understands the concept and place of research in concerned subject
- Gets acquainted with various resources for research
- Becomes familiar with various tools of research
- Gets conversant with sampling techniques, methods of research and techniques of analysis of data
- Achieves skills in various research writings
- Gets acquainted with computer Fundamentals and Office Software Package .

UNIT - 1 12 Hrs	**Tribal Studies :** Meaning, Nature, Scope, Need & importance of tribal studies. Meaning, Definition & characteristics of Tribe, Caste & Race.
UNIT - 2 24 Hrs	**Scheduled Tribe in India :** Population Composition of tribal, classification of Indian Tribe – Racial, Lingual, Geographical, Cultural. **Some Major Tribes in India :** Santhal, Khasi, Munda, Bhils. **Some Major Tribes in Central India :** Gond, Baiga, Bharia, Korkus.
UNIT - 3 10 H rs	**Iliteracy :**Poverty, Indebt ness, Unemployment, migration & Exploitation Environmental & Degradation. **Problem of Health and sanitation :** Prostitution, Culture Decay due to assimilation. Replacement & Rehabilitation of Tribal population.
UNIT - 4 24 Hrs	**Welfare-Concept, Characteristics:** Tribal Welfare in post independence period. Constitutional provision & safe guard after independence, Legislation & Reservation Policy.
UNIT - 5 20 Hrs	**Tribal Development Programs for Scheduled Tribes :** Medical, Education, Economy, Employment & Agriculture Evaluation of Programs **Tribal Welfare & Advisory Agencies in India :** Role of NGO's in tribal development, Role of Christian missionaries in tribal welfare & development. Tribal Welfare Administration.

SUGGESTED READINGS	*Tribal Development In India (Orissa)* by Dr. Taradutt *Books on Tribal studies* by PK Bhowmik *Books on 'Tribal Studies'* by W.G. Archer

M.A. in HINDI **(THIRD SEMESTER)**	
COURSE CODE: HND S02	**COURSE TYPE : OSC**
COURSE TITLE: INTELLECTUAL PROPERTY RIGHTS, HUMAN RIGHTS & ENVIRONMENT: BASICS	
CREDIT: 06 **THEORY: 06**	**HOURS : 90** **THEORY: 90**
MARKS : 100 **THEORY: 70 CCA : 30**	

OBJECTIVE:

- Understands the concept and place of research in concerned subject
- Gets acquainted with various resources for research
- Becomes familiar with various tools of research
- Gets conversant with sampling techniques, methods of research and techniques of analysis of data.

UNIT - 1 12 Hrs	• Patents :- Introduction & concepts, Historical Overview. • Subject matter of patent. • Kinds of Patents. • Development of Law of Patents through international treaties and conventions including TRIPS Agreement. • Procedure for grant of patents & term of Patent. • Surrender, revocation and restoration of patent. • Rights and obligations of Patentee • Grant of compulsory licenses • Infringement of Patent and legal remedies • Offences and penalties • Discussion on leading cases.

UNIT - 2 24 Hrs	• Meaning of Copyright, Historical Evolution, • Subject matter of copyright. • Literary works • Dramatic Works & Musical Works • Computer Programme • Cinematographic films • Registration of Copyrights • Term of Copyright and Ownership of Copyrights • Neighboring Rights • Rights of Performers & Broadcasters • Assignment of Copyright. • Author's Special Rights (Moral Rights) • Infringement of Copyrights and defenses • Remedies against infringement (Jurisdiction of Courts and penalties) • International Conventions including TRIPS Agreement WIPO, UCC, Paris Union, Berne Convention, UNESCO. • Discussion on leading cases.
UNIT - 3 10 H rs	• Rights: Meaning • Human Rights- Meaning & Essentials • Human Rights Kinds • Rights related to Life, Liberty, Equals & Disable
UNIT - 4 24 Hrs	• National Human Rights Commission • State Human Rights Commission • High Court • Regional Court • Procedure & Functions of High & Regional Court.
UNIT - 5 20 Hrs	• Right to Environment as Human Right • International Humanitarian Law and Environment • Environment and Conflict Management • Nature and Origin of International Environmental Organisations (IEOs) • Introduction to Sustainable Development and Environment • Sustainable Development and Environmental Governance
SUGGESTED READINGS	1. G.B.Reddy, *Intellectual Property Rights and Law*, Gogia Law Agency, Hyderabad. 2. S.R.Myneni, *Intellectual Property Law*, Eastern Law House, Calcutta 3. P Narayanan *Intellectual Property Rights and Law (1999)*, Eastern Law House, Calcutta, India 4. Vikas Vashistha, *Law and Practice of Intellectual Property*,(1999) Bharat Law House, New Delhi. 5. Comish W.R *Intellectual Property,3rd ed, (1996),* Sweet and Maxwell 6. P.S. Sangal and Kishor Singh, *Indian Patent System and Paris Convention,* 7. Comish W.R *Intellectual Property, Patents, Copyrights and Allied Rights, (2005)* *8.* Bibeck Debroy, *Intellectual Property Rights, (1998),* Rajiv Gandhi Foundation.